Chapter- 7

काली कोयल काली क्यों?

STUDY NOTES

विषय प्रतिपाद्य -

लोक कथा 'काली कोयल काली क्यों? 'में कोयल के काली होने की कहानी वर्णित है। सोनल चिड़िया को अपने सुनहरे पंखों पर बहुत घमंड था। सभी का दुलार पाकर वह स्वयं को जंगल की रानी समझने लगी थी। ऊँची उड़ान के लालच में एक दिन अचानक सूरज की किरणों से झुलस जाने के कारण वह काली पड़ गई। बूढ़े बरगद बाबा की इस सीख कि 'संसार में गुणों को ही कद्र होती है' अपनाने पर काली कोयल अपने मीठे गाने व मीठी बोली के कारण एक बार फिर सबकी दुलारी बन गई।

मौखिक –

१. श्रुतलेख एवं उच्चारण अभ्यास –

रंग – बिरंगी

गर्व	चिड़ियाँ	चहचहाहट
गलतियाँ	महत्व	छटपटाती
क्योंकि	मुँह	चमकीली
किरणों	वाणी	

२. कम-से-कम शब्दों में उत्तर दीजिए –

क) चिडियों की सरदार कौन थी?

उ- चिडियों की सरदार एक सुनहरी चिड़िया थी।

ख) चिड़िया स्वयं को जंगल की रानी क्यों मानने लगी थी?

उ- ज्यादा लाड़-प्यार पाकर सुनहरी चिड़िया अपने-आपको जंगल की रानी समझने लगी थी और उसकी गलतियों पर भी कोई नहीं टोकता था।

ग) जंगल के सभी पशु-पक्षी सुनहरी चिड़िया को क्या कहकर बुलाते थे?

उ- जंगल के सभी पशु-पक्षी सुनहरी चिड़िया को सोनल कहकर बुलाते थे।

घ) सोनल नीले आकाश में ऊँचा किस कारण से उड़ना चाहती थी?

उ- सोनल नीले आकाश में ऊँचा उड़ना चाहती थी क्योंकि उसके मन में लालसा थी कि ऊँचा उड़ने की, सबसे ऊँचा उड़ने की।

लिखित

१. रिक्त स्थान भरिए –

(चहचहाहट, सोनल, सुनहरा, रंग-बिरंगी, छटपटाती, चमकीली)

क) जंगल में तरह-तरह की ..... चिड़ियाँ थी।

ख) सारा जंगल चिड़ियों की ..... से गूँजता था।

ग) उसके रूप-रंग और ..... आँखो पर सबको गर्व था।

घ) ..... किसी से सीधे मुँह बात न करती थी।

ङ) सूरज की गरमी से सोनल का ..... शरीर झुलस गया।

च) रोती, चीखती-चिल्लाती, दर्द से ..... वह नीचे गिर पड़ी।

उत्तर –

क) रंग-बिरंगी

ख) चहचहाहट

ग) चमकीली

घ) सोनल

ङ) सुनहरा

च) छटपटाती

२. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

क) चिड़िया की विशेषताएँ लिखिए –

उ- चिड़िया का रंग सोने जैसा था। उसका आँख चमकीली थी। उसका पंख सुनहरे था।

ख) सोनल चिड़िया ज्यादा लाड़-प्यार पाकर अपने आपको क्या समझने लगी थी ?

उ- सोनल चिड़िया ज्यादा लाड़-प्यार पाकर अपने आपको जंगल की रानी समझने लगी थी।

ग) सोनल का सुनहरा शरीर कैसे झुलस गया था ?

उ- सोनल का सुनहरा शरीर ऊँची उड़ान भरने पर सूरज की गरमी से झुलस गया था।

घ) सोनल उदास क्यों रहने लगी थी ?

उ- सोनल उदास रहने लगी, क्योंकि उसका सुनहरा रंग काला पड़ गया था।

ङ) बूढ़े बाबा ने सोनल को क्या सीख दी ?

उ- बूढ़े बाबा ने सोनल को उदास देखकर उसे समझाया कि इस दुनिया में रूप-रंग का कोई महत्व नहीं है। लोग उसी को अच्छा मानते हैं, जिसमें अच्छा गुण हो।

३. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए –

क) सुनहरी चिड़िया सोनल से कोयल कैसे बनी ?

उ- जब सोनल की सुनहरा रंग काला पड़ गया तब वो उदास रहने लगी। बूढ़े बरगद बाबा ने उसे समझाया कि दुनिया में रूप रंग का कोई महत्व नहीं है। मीठी वाणी और सबके साथ मिलजुलकर रहने से सबकी दुलारी बन पाओगी। उसी दिन से सोनल मीठीवाणी से गाना शुरू कर दिया तब सभी सोनल को भुलगए और कोयल बोलने लगे।

ख) सोनल ने मीठी वाणी में गाना क्यों शुरू किया ?

इससे उसे क्या लाभ हुआ ? (मूल्यपरक)

ODM EDUCATIONAL GROUP Changing your Tomorrow

उ- सोनल ने मीठीवाली में गाना शुरू कर दिया क्योंकि सोनल ने अनुभव किया कि इस संसार में रूप रंग का कोई महत्व नहीं होती। मीठी वाणी से ही सभी का मन जीता जा सकता है। सोनल जब मीठी वाणी बोलने लगी तब सब कोयल के गुण गाने लगे।

भाषा ज्ञान

१. पढिए और समझिए –

क) रवि गाना ..... रहा है।

ख) प्रियंका खाना ..... रही है।

ग) अमन पानी ..... रहा है।

घ) माँ खाना ..... रही हैं।

ङ) पिता जी अखवार ..... रही हैं।

उत्तर – (क) गा (ख) खा (ग) पी (घ) बना (ङ) पढ़

२. नीचे दिए गए शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए –

विश्व,	संसार	जगत
पथ,	रास्ता	मार्ग
पानी,	जल	नीर
आकाश,	आसमान	नभ
हँसी,	कहकहा	ठहाका
वायु,	हवा	पवन
बच्चा,	बालक	लड़का
नेत्र,	आँख	नयन

ODM EDUCATIONAL GROUP Changing your Tomorrow

३.	**विशेषण**	**विशेष्य**
	घना	जंगल
	मोटी पतली	चिड़ियाँ
	सुनहरी	चिड़िया
	स्वर्ण	परी
	नीला	आसमान
	सुनहरे	पंख
	छोटे-बड़े	जानवर
	चमकीली	आँखे
	बूढ़े	बाबा
	दमकती	काया

◆◆◆

ODM EDUCATIONAL GROUP Changing your Tomorrow